B

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. 29/5/25

Sr. No. of Question Paper	:	800
Unique Paper Code	:	12051403
Name of the Paper	:	हिन्दी उपन्यास
Name of the Course	:	B.A. (H) - Hindi
Semester	:	IV

LIBRARY New Delhi-19

समय: 3 घण्टे **पूर्णांक: 75**

छात्रों के लिए निर्देश-

1. **इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।**

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. **प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-** **7.5 × 2 = 15**

(क) सुखदा ने पति को सगर्व दृष्टि से देखकर कहा-तुम समझते होगे, मैं गहनों के लिए कोने में बैठकर रोऊँगी और अपने भाग को कोसूँगी। स्त्रियाँ अवसर पड़ने पर कितना त्याग कर सकती हैं, यह तुम नहीं जानते। मैं इस फटकार के बाद इन गहनों की ओर ताकना भी पाप समझती हूँ, इन्हें पहनना तो दूसरी बात है। अगर तुम डरते हो कि मैं कल ही से तुम्हारा सिर खाने लगूँगी, तो मैं तुम्हें विश्वास दिलाती हूँ

कि अगर गहनों का नाम मेरी जबान पर आये, तो जबान काट लेना। मैं यह भी कहे देती हूँ कि मैं तुम्हारे भरोसे पर नहीं जा रही हूँ। अपनी गुजर भर को आप कमा लूँगी। रोटियों में ज्यादा खर्च नहीं होता। खर्च होता है आडम्बर में। एक बार अमीरी की शान छोड़ दो, फिर चार आने पैसे में काम चलता है।

अथवा

"बस, तुम्हीं तो संसार में एक धर्म के ठीकेदार रह गये हो, और सब तो अधर्मी हैं। वही माल जो तुमने अपने घमंड में लौटा दिया, तुम्हारे किसी दूसरे भाई ने दो-चार रुपये कम-बेश देकर ले लिया होगा। उसने तो रुपये कमाये, तुम नींबू-नोन चाटकर रह गये। डेढ़ सौ रुपये तब मिलते हैं, जब डेढ़ सौ थान कपड़ा या डेढ़ सौ बोरे चीनी बिक जायँ। मुँह का कौर नहीं है। अभी कमाना नहीं पड़ा है, दूसरों की कमाई से चैन उड़ा रहे हो, तभी ऐसी बातें सूझती हैं। जब अपने सिर पड़ेगी, तब आँखें खुलेंगी।"

(ख) "राजन्! ईश्वर मनुष्य का जन्मदाता है और मनुष्य समाज का जन्मदाता है। धर्म ईश्वर का सांसारिक रूप है, वह मनुष्य को ईश्वर से मिलाने का साधन है। धर्म की अवहेलना, ईश्वर की अवहेलना है, सत्य से दूर हटना है। सत्य एक है, धर्म उसी सत्य का दूसरा नाम है! यदि नीतिशास्त्र धर्म के सिद्धान्तों के प्रतिकूल है तो वह नीतिशास्त्र नहीं; वरन् अनीतिशास्त्र है। उचित और अनुचित-न्याय और अन्याय-इन सबकी कसौटी धर्म है, धर्म के अन्तर्गत सारा विश्व है!"

अथवा

"धत्, ममी को कभी नहीं छोड़ूँगा।"

तब ममी निहाल होकर उसे बाँहों में भर लेतीं और उसके गालों पर ढेर सारे किस्सू देतीं। फिर पता नहीं छत में क्या देखने लगतीं। बस, फिर देखती ही रह जातीं और

उसे लगता जैसे उसके और ममी के बीच में फिर कहीं कोई आ गया है। पर कौन? यह वह न समझ पाता। ममी के चेहरे पर गहराती हुई उदासी की परतें उसे कहीं हलके-से बेचैन कर देतीं। उसका मन करता कि ममी को पक्की तरह समझा दे कि वह उन्हें कब्भी-कब्भी नहीं छोड़ेगा। पर कैसे? और जब कुछ भी समझ में नहीं आता तो वह ममी के गले में हाथ डालकर लिपट जाता।

तभी फूफी की बात याद आ जाती है। हुँह! फूफी बकवास करती है। कहीं ममी को प्यार करने से या कि ममी के साथ सोने से कोई लड़का लड़की बन जाता होगा भला!

2. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो उपन्यासकारों पर टिप्पणी लिखिए:** **7.5× 2 =15**

(क) प्रेमचंद

(ख) श्रीनिवासदास

(ग) यशपाल

(घ) मैत्रेयी पुष्पा

3. 'कर्मभूमि' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

अमरकान्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

4. 'चित्रलेखा' उपन्यास के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास के भाषा और शिल्प पर विचार कीजिए।

5. 'आपका बंटी' उपन्यास में अभिव्यक्त नारी जीवन की चुनौतियों पर विचार कीजिए। 15

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्र चित्रण कीजिए।

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No. ....

Sr. No. of Question Paper : 799 **J**

Unique Paper Code : 12051402

Name of the Paper : **हिंदी कविता (छायावाद के बाद)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. उत्तर लिखने से पहले प्रश्नों को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करें।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) हे महाबुद्ध !

मैं मंदिर में आई हूँ

रीते हाथ :

फूल मैं ला न सकी।

औरों का संग्रह

तेरे योग्य न होता।

अथवा

अपना क्या है इस जीवन में

सब तो लिया उधार

सारा लोहा उन लोगों का

अपनी केवल धार।

(ख) झुर्रियों से भर मेरा चेहरा

नन्हीं नन्हीं इच्छाओं पर तन गया है

नया और अच्छा है यह अनुभव

लवकुश इच्छाओं के

पकड़ेंगे शायद घोड़े अश्वमेध के

साधारणतया खेद के पहले है जो

बनेंगे वे गौरव के निधान

आत्मसम्मान या आत्मा का

शरीर से जीतेगा

दुविधा का एक और वक्त

बीतेगा।

अथवा

देखे हैं हमने दौर कई अब ख़बर नहीं,

पाँवों तले जमीन है या आसमान है।,

वो आदमी मिला था मुझे उसकी बात से

ऐसा लगा कि वो भी बहुत बेजुबान है।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्हीं दो** का रचना - कौशल की दृष्टि से विश्लेषण कीजिए : (7.5×2=15)

(क) जो छोटी-सी नैया लेकर

उतरे करने को उदधि-पार;

मन की मन में ही रही, स्वयं

हो गए उसी में निराकार !

उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े

रह-रह नव-नव उत्साह भरे;

पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि

कुछ असफल ही नीचे उतरे !

उनको प्रणाम !

(मूल-संवेदना)

(ख) फिर ऐसा हुआ कि उसने हड़बड़ी में

मुझे चुल्लूभर उठाया

और क्या जाने क्या

उसे दिख गया मेरे भीतर

कि हिल उठा वह

और पूरा का पूरा मैं गिर पडा नीचे

शर्मिंदा हूं प्रभु ।

और इस घटना पर हिल रहा हूं अब तक

पर कोई करे तो भी क्या

समय ऐसा ही कुछ ऐसा है

कि पानी नदी में हो

या किसी चेहरे पर

झाँक कर देखो तो तल में कचरा

कहीं दिख ही जाता है (काव्य- बिंब)

(क) आदतें अक्सर बहुत बुरी शासक होती हैं

लगभग तानाशाह

अपने गुलाम को लगभग पालतू जानवर की तरह

बांधे रखती हैं हरवक्त

अच्छी आदतों के बनिस्बत बुरी आदतें

बहुत देर तक पीछा करती है आदमी का

आदमी कुछ लतें तो इसलिए पाल लेता है

कि वह अलग दिखना चाहता है ईश्वर से (काव्य- बिंब)

3. सिंदूर तिलकित भाल कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

दुष्यंत कुमार की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. रघुवीर सहाय की कविता की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। (15)

अथवा

धूमिल की कविताओं में व्यक्त मोहभंग का चित्रण कीजिए ।

5. भवानी प्रसाद मिश्र की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए । (15)

अथवा

अज्ञेय की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए ।

(100)

DSC

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No. 15/5/25 A

Sr. No. of Question Paper : 6012 **J**

Unique Paper Code : 2052102401

Name of the Paper : Bhartiya Kavyashastra

Name of the Course : **B.A. (H) – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

अथवा

आचार्य कुंतक का योगदान बताते हुए वक्रोक्ति संप्रदाय का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (15)

2. 'काव्य हेतु' से क्या तात्पर्य है? भारतीय आचार्यों द्वारा प्रस्तुत काव्य हेतुओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

P.T.O.

'काव्य-लक्षण' का स्वरूप बताते हुए संस्कृत आचार्यों द्वारा निर्दिष्ट काव्य-लक्षणों पर प्रकाश डालिए। (15)

3. रस के भेद बताते हुए शृंगार रस का विवेचन कीजिये।

अथवा

साधारणीकरण का आशय स्पष्ट करते हुए विभिन्न आचार्यों के मतों का विवेचन कीजिए। (15)

4. अलंकार किसे कहते हैं? शब्दालंकारों और अर्थलंकारों में भेद बताते हुए एक शब्दालंकार और एक अर्थालंकार का लक्षण उदाहरण सहित बताइए।

अथवा

शब्द शक्ति किसे कहते है? व्यंजना शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का उदाहरण सहित निरूपण कीजिए। (15)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (10×3=30)

(i) काव्य प्रयोजन

(ii) आचार्य विश्वनाथ

(iii) सवैया एवं घनाक्षरी छंद

(iv) उत्पत्तिवाद

(v) वीर रस

(vi) यमक एवं श्लेष अलंकार

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...........

Sr. No. of Question Paper : 6074 **J**

Unique Paper Code : 2052102402

Name of the Paper : Aadhunik Hindi Kavita (Chhayawad Tak)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) सुंदर बानी कहि समुझावै।

बिधवागन सों नेह बढ़ावै ।।

दयानिधान परम गुन - आगर।

सखि सज्जन नहिं 'विद्यासागर' ।।

P.T.O.

अथवा

सबसे प्रथम कर्त्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में,

शिक्षा बिना ही पड़ रहे हैं आज हम सब क्लेश में।

शिक्षा बिना कोई कभी बनता नहीं सत्पात्र है,

शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है ।।

(ख) कैसी मधुर मनोहर उज्जवल है यह प्रेम-कहानी।

जी में है अक्षर बन इसके बनूँ विश्व की बानी।

स्थिर, पवित्र, आनंद-प्रवाहित, सदा शांति सुखकर है।

अहा! प्रेम का राज्य परम सुन्दर, अतिशय सुंदर है ।।

अथवा

तम-नयनों की ताराएँ सब -

मुंद रही किरण दल में हैं अब,

चल रहा सुखद यह मलय बात!

अब जागो जीवन के प्रभात!

(ग) आम की यह डाल जो सूखी दिखी,

कह रही है - "अब यहाँ पिक या शिखी

नहीं आते, पंक्ति में वह हूँ लिखी

नहीं जिसका अर्थ - जीवन दह गया है।"

अथवा

कह दे अतीत अब मौन त्याग,

लंके, तुझमें क्यों लगी आग?

ऐ कुरुक्षेत्र! अब जाग, जाग,

बतला अपने अनुभव अनंत,

वीरों का कैसा हो वसंत?

2. 'नये जमाने की मुकरी' का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'भारत-भारती' के (भविष्यत् खंड) में निहित जीवन-दृष्टि का परिचय दीजिए।

3. 'पथिक' कविता में व्याप्त प्रकृति-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता का मुख्य अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

4. 'भिक्षुक' कविता के भाव-पक्ष पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

'भारत माता ग्राम वासिनी' कविता के आधार पर पंत की काव्य-चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

5. 'पूछता क्यों शेष कितनी रात?' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'ठुकरा दो या प्यार करो' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. 26/5/25

Sr. No. of Question Paper : 6130 **J**

Unique Paper Code : 2052102403

Name of the Paper : **हिंदी उपन्यास**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi / (DSC)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours **Maximum Marks : 90**

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिन्दी उपन्यास के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डालिये। (15)

अथवा

हिंदी उपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिये।

P.T.O.

2. श्री निवास दास अथवा प्रेमचंद का साहित्यिक योगदान लिखिये। (15)

3. 'कर्मभूमि' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिये। (15)

अथवा

"कर्मभूमि उपन्यास स्वतंत्रता आंदोलन का दस्तावेज़ है", इस कथन के आलोक में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिये।

4. 'रागदरबारी' उपन्यास में चित्रित सामाजिक यथार्थ को स्पष्ट कीजिये। (15)

अथवा

'रागदरबारी' उपन्यास के शीर्षक की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए वैद्य जी के चरित्र पर प्रकाश डालिये।

5. निम्नलिखित में किन्हीं एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (12)

(क) इस इलाके के ज़मींदार एक महन्तजी थे। कारकून और मुख्तार उन्हीं के चेले-चापड़ थे। इसलिए लगान बराबर वसूल होता जाता था। ठाकुरद्वारे में कोई-न-कोई उत्सव होता ही रहता था। कभी ठाकुरजी का जन्म है, कभी ब्याह है, कभी यज्ञोपवीत है, कभी झूला है, कभी जल-विहार है। असामियों को इन अवसरों पर बेगार देनी पड़ती थी; भेंट - न्योछावर पूजा-चढ़ावा आदि नामों

से दस्तूरी चुकानी पड़ती थी; लेकिन धर्म के मुआमले में कौन मुँह खोलता? धर्म-संकट सबसे बड़ा संकट है। फिर इलाके के काश्तकार सभी नीच जातियों के लोग थे। गाँव पीछे दो-चार घर ब्राह्मण-क्षत्रियों के थे भी, तो उनकी सहानुभूति असामियों की ओर न होकर महन्तजी की ओर थी। किसी-न-किसी रूप में वे सभी महन्तजी के सेवक थे। असामियों को उन्हें प्रसन्न रखना पड़ता था। बेचारे एक तो गरीब, ऋण के बोझ से दबे हुए, दूसरे मूर्ख, न क़ायदा जानें न क़ानून; महन्तजी जितना चाहें इजाफ़ा करें, जब चाहें बेदखल करें, किसी में बोलने का साहस न था।

अथवा

(ख) शहर के एक कोने में ऊँची चहारदीवारी से घिरा हुआ एक लम्बा-चौड़ा बँगला था, जिसकी बनावट से ही लगता था कि वह किसी ताल्लुक़ेदार को किराये पर रहने के लिए उठा दिया था।

बँगले के एक कोनेवाले कमरे में जिला विद्यालय-निरीक्षक का दफ्तर था, उसे छोड़कर बाकी बँगले में उनका निवास स्थान था। उनके रहने के पूरे हिस्से का किराया सरकार-उसे दफ्तर समझकर देती थी। दफ्तर का पूरा किराया जिला विद्यालय निरीक्षक अपने मकान के नाम पर देते थे। इस तरह के मैत्रीपूर्ण समझौते को अंग्रेजी में 'ऑफिस-कम-रेजीडेन्स' कहा जाता है। हिन्दी में उसे 'ऑफिस-कम-रेजीडेन्स ज्यादा' कहते हैं।

6. निम्नलिखित में किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये : (9×2=18)

(क) प्रेमचंदयुगीन उपन्यास

(ख) धर्मवीर भारतीय का योगदान

(ग) कर्मभूमि उपन्यास के आधार पर सुखदा का चरित्र-चित्रण

(घ) चित्रा-मुद्गल

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No. 04/6/25 A

Sr. No. of Question Paper : 6392 J

Unique Paper Code : 2053102006

Name of the Paper : जनसंचार माध्यम और तकनीक

Name of the Course : B.A. (H.) Hindi (DSE 6)

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Deshbandhu College LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. जनसंचार को परिभाषित करते हुए इसके स्वरुप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

जनसंचार के विभिन्न प्रकारों का विश्लेषण कीजिए। (15)

2. रेडियो और टेलीविजन में अंतर स्पष्ट करते हुए, इनकी विशेषताएं लिखिए।

P.T.O.

अथवा

सोशल मीडिया के एक उपकरण के रूप में व्हाट्सअप और इन्स्टाग्राम की विशेषताएं लिखिए। (15)

3. डिजिटल माध्यम के रूप में इंटरनेट पत्रकारिता की पापुलरिटी का आधार क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"ब्लॉग स्वयं की अभिव्यक्ति का एक अच्छा माध्यम हैं" विश्लेषण कीजिए। (15)

4. जनसंचार माध्यमों का प्रयोग करते हुए एक नागरिक की जिम्मेदारी को रेखांकित कीजिए।

अथवा

प्रेस कानून का सामान्य परिचय देते हुए इसके महत्वपूर्ण बिन्दुयों को उल्लेखित कीजिए। (15)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) साइबर कानून

(ख) जनसंचार के उद्देश्य

(ग) फेसबुक

(घ) प्रिंट मीडिया (10,10,10)

(200)